Title: Requested the Government to keep contact with Iraq regarding import of petroleum and also to take steps to prevent impending price rise of petrol in the International market.

श्री मोहन रावले : उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत ही सीरियस मामले की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। पपर्सों के "द इकोनॉमिक टाइम्स" में लिखा है कि

`Oil rampages to 10-year peak of 32.75 dollars on supply fears.'

ओपैक की जेनेवा में 7 अगस्त को मीटिंग हुई थी। 11 कंट्रीज ने डिसीजन लिया कि 1.27 डालर पर सैंट दाम बढ़ाने वाले हैं। ओपैक एक वौलंट्री और्गनाईजेशन है। और्गनाईजेशन ऑफ दी पैट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज फॉर ऑयल ने यह डिसीजन लिया है। ...(व्यवधान) अभी पैट्रोल, डीजल, गैस और कैरोसीन तेल के दाम बढ़ सकते हैं। ...(व्यवधान) ओपैक में इराक नहीं है। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : भारत सरकार को क्या करना चाहिए, वह बताइए।

...(व्यवधान)

श्री मोहन रावले : मैं बोल रहा हूं। आप मुझे बोलने का मौका तो दीजिए। उस मीटिंग में इराक ने कहा है, ओपैक का कहना है कि प्रोडक्शन कम करेंगे। प्रोडक्शन कम होगा तो सप्लाई कम होगी और दाम बढ़ जाएंगे। इराक प्रोडक्शन कम करने के लिए राजी नहीं है और ओपैक जो दाम दे रहा है, उससे कम दाम में इंटरनैशनल मार्किट में हमें ऑयल देने के लिए राजी है। मेरी भारत सरकार से विनती है कि उससे सम्पर्क करें और जो दाम बढ़ने वाले हैं, उसे रुकवाया जाए। ...(व्यवधान)